SAFALTA CLASS™

An Initiative by अमर उजाला

समास

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

समास का तात्पर्य है *"संक्षिप्तीकरण"*

दो या दो से अधिक शब्दों से मिलकर बने हुए एक नवीन एवं सार्थक शब्द को समास (Samas) कहते हैं।

उदाहरण :
रसोईघर - रसोई के लिए घर।
नीलगाय - नीले रंग की गाय।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

हिंदी में समास के छः भेद हैं :

(1) अव्ययीभाव समास

(2) तत्पुरुष समास

(3) द्विगु समास

(4) द्वंद्व समास

(5) कर्मधारय समास

(6) बहुव्रीहि समास

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

अव्ययीभाव समास

इस समास में पहला पद (पूर्व पद) प्रधान होता है

इसमें पहला पद अव्यय उपसर्ग होता है

उदाहरण:
(आजन्म) - जन्म पर्यन्त
(यथावधि) - अवधि के अनुसार
(यथाक्रम) - क्रम के अनुसार
(बेकसूर) –
(निडर) -

तत्पुरुष समास

इस समास में दूसरा पद (उत्तर पद / अंतिम पद) प्रधान होता है इसमें कर्ता और संबोधन कारक को छोड़कर शेष छः कारक चिन्हों का प्रयोग होता है

जैसे - कर्म कारक, करण कारक, सम्प्रदान कारक, अपादान कारक, सम्बन्ध कारक, अधिकरण कारक

नोट : तत्पुरुष समास में कारक चिन्हों का प्रयोग होता है

उदाहरण :
(विद्यालय) - विद्या के लिए आलय
(राजपुत्र) - राजा का पुत्र
(मुंहतोड़) - मुंह को तोड़ने वाला
(चिड़ीमार) - चिड़िया को मारने वाला
(जन्मांध) - जन्म से अँधा

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

द्विगु समास

द्विगु समास में पहला पद संख्यावाचक होता है विग्रह करने पर समूह का बोध होता है

नोट : द्विगु समास में संख्या का बोध होता है

उदाहरण :

(त्रिलोक) - तीनो लोकों का समाहार
(नवरात्र) - नौ रात्रियों का समूह
(अठन्नी) - आठ आनो का समूह
(दुसूती) - दो सुतों का समूह
(पंचतत्व) - पांच तत्वों का समूह

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

द्वंद्व समास

इसमें दोनों पद प्रधान होते हैं। विग्रह करने पर बीच में 'और' / 'या' का बोध होता है

नोट : द्वंद्व समास में योजक चिन्ह (-) और 'या' का बोध होता है

उदाहरण :

(पाप-पुण्य) - पाप और पुण्य
(सीता-राम) - सीता और राम
(ऊँच-नीच) - ऊँच और नीच
(खरा-खोटा) - खरा या खोटा
(अन्न-जल) - अन्न और जल

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

कर्मधारय समास

इस समास में पहला पद विशेषण तथा दूसरा पद विशेष्य होता है

नोट : कर्मधारय समास में व्यक्ति, वस्तु आदि की विशेषता का बोध होता है

उदाहरण :

(चन्द्रमुख) - चन्द्रमा के सामान मुख वाला - विशेषता

(गुरुदेव) - गुरु रूपी देव - विशेषता

(चरण कमल) - कमल के समान चरण - विशेषता

(नील गगन) - नीला है जो असमान - विशेषता

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

बहुव्रीहि समास

इस समास में कोई भी पद प्रधान न होकर अन्य पद प्रधान होता है विग्रह करने पर नया शब्द निकलता है पहला पद विशेषण नहीं होता है विग्रह करने पर समूह का बोध भी नहीं होता है

नोट : बहुव्रीहि समास के अंतर्गत शब्द का विग्रह करने पर नया शब्द बनता है या नया नाम सामने आता है

उदाहरण :

(त्रिनेत्र) - भगवान शिव
(वीणापाणी) – सरस्वती
(श्वेताम्बर) - सरस्वती
(गजानन) - भगवान गणेश
(गिरधर) - भगवान श्रीकृष्ण

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

व्याकरण शिक्षण के लिये उपयुक्त नहीं है?

(1) निगमन प्रणाली

(2) आगमन प्रणाली

(3) अव्याकृति प्रणाली

(4) कक्षाभिनय प्रणाली

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

शब्द का अर्थ स्पष्ट करने हेतु कौन सा तरीका सर्वाधिक उपयुक्त है?

(1) व्याख्यान

(2) वाक्यप्रयोग

(3) भ्रमण

(4) चित्र-निर्माण

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

मौन पठन के विषय में धारणा है?

(1) एकाग्रचित होकर पढ़ने का अभ्यास होता है

(2) इसमें पठन की गति धीमी हो जाती है

(3) पढ़ने की धीमी ध्वनि होंठों से निकलती है

(4) इसे आदर्श वाचन के तुरन्त बाद किया जाता है

भाषा शिक्षण के चुनाव की जाने वाली शिक्षण विधि किस पर आधारित होनी चाहिए?

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

(1) बाल केंद्रीयकरण पर

(2) शिक्षक केंद्रीयकरण पर

(3) प्रयोग पर

(4) गतिविधियों पर

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

भाषा शिक्षण में सरल से कठिन की ओर शिक्षण करना है?

(1) शिक्षण सिद्धांत

(2) शिक्षण सूत्र

(3) वैज्ञानिकता पर

(4) दार्शनिकता पर

शिक्षक द्वारा सामान्य रूप से बालक में किस भाषा कौशल का विकास किया जाता है?

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

(1) श्रवण का

(2) वाचन का

(3) पठन का

(4) लेखन का